ऑडियो विडियो रिकोर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फ़ोल्डर नं:- 02
ट्रैक नं:- 200 M 0003.
ट्रैक समयावधि :- 01 - 47 - 47
कलाकार का नाम:- सुभान खाँ
पिता का नाम :- खटो खाँ
पता :- गाँव :- बड़नावा चारणान् तेह- पचपदरा
जिला बाड़मेर
सहायक कलाकार :-
विडियो रिकोर्डिंग समय :-

विषय :- गाथा - (राजा काछबा)
विशेष विवरण
दिनांक :- 30 - 8 - 2021
स्थान

श्रृंगार रस: यह गाथा राणा काछबा नाम से प्रचलित है। गाथा में काछबे की भोजाई काछबे को राजा उदयजीत की लड़की पट्ठी कंवार से शादी करने का ताना देती है तथा राणा काछबा इस ताने को पूरा करने के लिए अन्त में पट्ठी कंवार से ही विवाह करता है।

वर्णन :- कथा की शुरूआत में सावन मास है और सावण की बारिश हुई है तो सभी किसान अपने खेतों में बुआई कर रहे हैं तथा सभी किसान अपने खेतों ज्वार, बाजरा बो रहे हैं और राणा काछबा भी बुआई कर रहा है लेकिन राणा काछबा लौंग, डोडा और एलची बो रहा है। दोपहर होती है तो सभी किसानों के लिए घर से खाना आता है तथा राणा काछबा के लिए उसकी भोजाई खाना लेकर आती है। राणा काछबा खाना खाने लगता है तो रोटियाँ जली हुई है और खाने लायक नहीं होता है तो वह अपनी भोजाई से कहता है कि हमारे घर किस चीज की कमी है जो खाना ऐसा है तथा वह कहती है कि मैं तो ऐसा ही खाना बनाऊँगी और आपको अच्छा खाना खाना है तो राजा उदयजीत की राजकुमारी पट्ठी कवार से शादी कर उसे ले आओ। यह ताना सुनकर राणा काछबा को क्रोध आ जाता है और वह खाना खाना छोड़ देता तथा अपना हल तोड़कर बैलों को आजाद कर देता है और अपने महल में जाकर सो जाता है तथा कुछ दिन तक सभा में भी नहीं आता है तो सभी लोग राणा काछबा के बारे में पूछते पता चलता है कि काछबा महल मेहल में सोरट है। तथा सभी लोग जोशीजी को भेजते हैं तथा जोशीजी राणा काछबा के पास जाकर पूछता है कि तुम्ह क्या हुआ बात तो बताओ हम सभी सभा के लोग वचन देते हैं कि ख्वाहिश को पूरा करेंगे तो राणा काछबा कहता है कि अगर विवाह करूँगा तो पट्ठी कंवार से करूँगा नहीं तो जीवन त्याग दूँगा। इसप्रकार जोशी, जगनाथ गाँव के मुख्या लोग अमल, डोडा चार की बोरी में भरकर ऊँठ घोड़े लेकर राजउदयजीत के शहर मेवाड़ जाते है तथा चौबटे में रिवाण लगाते तो गाँव के सभी

लोग वहां आने लगते तथ वहां सभा बैठते है तथा अमल डोडा आदि की मनवार करते है तथा वहां एक-एक घडी लाख रुपयों की गुजरती है तथा मेवाड़ के लोग राजा की रिवाण में जाना भूल जाते है उसी रिवाण में समय व्यतीत करते है तो पूछता है आजकल एसा क्या हुआ कि लोग सभा में नहीं आते है। एक महीना गुजर जाता है तो पाटण के मुख्या लोग पूछते है कि इतने दिनो से आप शहर के लोगो को अम्ल और डोडा दे रहे हो कारण क्या है तो वे कहते कि हम पारकर से आए है राणा काछबा रिस्ता उदयजीत की लड़की पठ्ठी कंवार से करने के लिए आए है तथा वह कहते है कि आप ने हमारे शहर की प्रजा को इतने दिनो तक डोडो और अम्ल खिलाया है तो हम राजा उदयजीत से प्रार्थना करके भी रिस्ता पक्का करवा देगे और वे सभी राजा ओदजीत के पास जाते है तथा कहते है पारकर के राजकुमार राणा काछबा का रिस्ता आया अच्छा घर है और आप यह रिस्ता तय कर लो तथा राजा रिस्ता स्वीकार लेता है और जोशी, जगनाथ, हरु बारट वापिस घर चले जाते है तथा राणा काछबा से जाकर कहते है राजा उदयजीत ने रिस्त स्वीकार है और पाँचवी तारीख को बारात लेकर जाना है। अब पाँचवी तारीख होती है तो राणा काछबा जंगल की तरफ निकलता है-

लोटो ले मोरा काछब राणा तोम्बलु हाथ
सुगनिया बोलावे रोणो काछबो

राणा काछबा ताम्बे का लोटा लेकर जंगल में जाता है और सुगन बोलाता है तो दायी तरफ मोर बोलते और बांयी तरफ गूडे साजन से मिलने का आभास होता है।

डावोड़ा मोरा काछब रोणा बोलोड़ा रे मोर
जीवणिया मिलादू गूड़े साजने।

डावोड़ा रे मोरा काछब राणा दारूड़े री शाख
जीवणिया रे चाड़ावो बूटा बाकरा

इस प्रकार से राणा काछबा को सुगन होते हैं वह दायी तरफ मदीरा चड़ाता है तथा बायी तरफ बूटा बकरा चढ़ा देता है और घर वापिस आता है तो जोशीजी राणा काछबा से कहता है कि मेरे सुगन में मुझे आभास हुआ कि आपकी दो शादियाँ होगी लेकिन काछबा इस विश्वास नहीं करता है। इस तरहा बारात की तैयारीयाँ होने लगती हैं और हाथी घोड़ो को सजाया जाता है तथा हजारों लोग बारात में जाने के लिए तैयारहोने लगते है। इस प्रकार से दलों बादलों जैसी बारात तैयारहोती और राणा काछबा इस तराह तैयार होता कि तारों के बीच चाँद जैसे लग रहा है। तथा अब राणा काछबा की बारात तैयार होकर पारकर से रवाना हो जाती है। उधर पाटणनगर में राजा उदयजीत के तैयारिया हो रही हैं महलों को सजाया जारहा है अनेक प्रकार के पकवान बारात के लिए बन रहे हैं। तथा पठ्ठी कवांर भी तैयार हो रही है तथा उसी समय उसकी भोजाई उसे अपना बच्चा पकड़ा देती हैं और पठ्ठी कवांर की नई पोशाक पर बच्चा मूत देता तथा पठ्ठी कवांर बच्चे को नीचा गिरा देती है तो उसकी भोजाई ~~दौड़कर~~ भागकर बच्चा उठा लेती है और उसे बहुत गुस्सा आता है बदला लेने के लीए पानी लेने तालाब जाती है और वहां से दो कछूए पकड़करले आती और पठ्ठी कवांर से कहती है कि यही राणा काछबा की बारात है यह कछुआ आप से शादी करने आया है यह देखकर पठ्ठी कवांर सच मान लेती है और कहती है कि इस कछुँए से विवाह ~~क~~ करूँ तो अपने बाप से करूँ और अपने पितजी को पत्र लिख देती हैं कि मैं यह शादी नहीं करूगी तो राजा उदयजीत राणा को पत्र भेज देता है कि आप वापिस चले जाओ राजकुमारी ने विवाह करने से मना कर दिया। यह पत्र पढ़कर राणा काछबा सोच में पड़ जाता है तथा पूरी बारात में खलबली मच जाती है

और बारात वहीं रुक जाती है तथा जोशीजी कारण जानने के लिए पाटण शहर के अन्दर जाता है तो उसे पढ़ी कंवार की भोजाई देखती है और पास बुलाकर एक पत्र देती है और कहती है आप यह बारात लेकर मण्डोर चले जाओ और मेरे पिता को यह पत्र दिखा देना वह मेरी बहिन की शादी राणा काछबा से करवा देगा। इस प्रकार जोशी जी यह बात राणा काछबा को बताता है और बारात लेकर मण्डोर चले जाते है और मण्डोर के राजा को वह पत्र दिखाते है तो वह यह रिश्ता स्वीकार कर लेता है तथा विवाह की तैयारियाँ करते है तथा धूम धाम से विवाह करवा देता है तथा राणा काछबा अपने जितने भी हीरे मोती लाया था वह सारे मण्डोर की प्रजा बांट देता जाता है। तथा एक आदमी गरीब पीछे बच जाता है तो उसे राणा काछबा अपना इत्र से भरा गाडा दे देता है और वह आदमी वह इत्र पाटण शहर में जाकर बेचने लगता है तो उस इत्र की पूरे शहर में सुगन्ध हो जाती है तथा पढ़ी कंवार भी वह इत्र मंगाती है और वह दासियों से पूछती है कि इतना अच्छा इत्र ये कहा से लाया है तो वह कहती है कि यह कहता है कि राणा काछबा ने दान में दिया तो पढ़ी कहती है क्या काछबा आदमी है तथा दासियाँ कहती वह मण्डोर की राजकुमारी से शादी कर रहा है और पढ़ी कंवार को पता लग जाता है कि उनके साथ धोखा हुआ है। अब राणा विवाह करके मण्डोर रवाना हो जाता है और कहता है कि हम पाटण शहर के अन्दर से निकलेंगे तथा बारात शहर के अन्दर से निकलती है तथा बाहर जाकर रुक जाती है तो रात में पढ़ी कंवार राणा काछबा के पास जाती है और विनती करती फिर भी काछबा नहीं मानता है फिर लाखा फूलाणी और सौभी मुख्या काछबे को समझाते है तथा वह पढ़ी कंवार से शादी कर लेता है और अपनी का दिया ताना पूरा कर देता है और और पर डंका लगाता है तथा राणा काछबा की भोजाई दोनों पत्नीयों को बधाकर घर के अन्दर लेती है।